हरित कौशल विकास कार्यक्रम

(GSDP, MoEF, Govt. of India) वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार

वन उत्पादकता संस्थान, राँची द्वारा **ह**रित कौशल विकास कार्यक्रम (GSDP, MoEF, Govt. of India) वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार के द्वारा संपोषित '**लाख एवं तसर की खेती** ' विषय पर आठ सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया | यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी के निर्देशन में पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. संजय सिंह वैज्ञानिक-एफ के द्वारा दिनांक 01.08.2018 से 28.09.2018 तक संचालित किया गया | प्रशिक्षण कार्यक्रम में -

- लाख एवं तसर की खेती विषय पर प्रशिक्षण के लिए भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों से 39 प्रशिक्षुओं ने ऑन लाइन आवेदित किया | लाख एवं तसर की खेती विषय पर प्रशिक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए आए 20 प्रशिक्षुओं में से अंततः 17 लोगों को चयनित किया गया |
- लाख एवं तसर पर खेती के लिए चयनित प्रशिक्षुओं को संस्थान के साथ-साथ केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नगड़ी, राँची तथा भारतीय, प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकोम, राँची में तसर एवं लाख की खेती पर पाठ्यक्रम एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया |
- प्रशिक्षुओं को पाठ्यक्रम के अलावा वानिकी अनुसंधान शोध क्षेत्रों का भ्रमण भी कराया गया |
- संस्थान द्वारा प्रशिक्षुओं को पठन सामग्री के रूप में प्रशिक्षण से संबंधित विभिन्न प्रकार के लाख एवं तसर की तकनीकी पुस्तकें भेंट की गयी | उन्हें लाख एवं तसर की खेती की हर अवस्था को प्रयोगात्मक रूप से कर के प्रदर्शित किया गया, साथ ही लाख कारखाने का भ्रमण भी कराया गया तथा लाख एव लाख से बने उप-वस्तु के उपयोग के बारे में भी अवगत कराया गया|
- केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नगड़ी, राँची तथा भारतीय, प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान, नामकोम, राँची के माध्यम से लाख उत्पादन एवं तसर की खेती पर विशेष तकनीकी जानकारी प्रदान की गई |

दिनांक 28.09.2018 को प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन के अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने सभी प्रशिक्षुओं को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने हेतु उन्हें बधाई दी एवं सभी प्रशिक्षुओं को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया | निदेशक ने सभी प्रशिक्षुओं को प्राप्त प्रशिक्षण से संबंधि त तकनीक का तत्काल उपयोग आरंभ करने एवं अन्य लोगों में प्रसार किये जाने पर जोर दिया | साथ ही प्रशिक्षुओं ने भी आठ सप्ताह में प्राप्त प्रशिक्षण से संबंधी अपने-अपने विचार को रखा | अपने उद्बोधनों में प्रशिक्षणार्थियों नें कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए, उसे व्यवसाय हेतु अपनाने का प्रण लिया तथा यथा-संभव व्यवहार मे लाने हेतु पूर्ण प्रतिबद्ध्तता प्रदर्शित की । हरित कौशल विकास कार्यक्रम के पाठ्यक्र म निदेशक सह प्रभारी अधिकारी ने भी प्रशिक्षण से संबंधि त विषय पर अपना विचार व्यक्त किया | श्रीमती रूबी सुसाना कुजुर, वैज्ञानिक द्वारा मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया | इस अवसर पर संस्थान के सभी वैज्ञानिक/ अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

GREEN SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME (GSDP) - ENVIS
Certificate Course on
Value Addition and Marketing of NTFPs (Animal Origin):